संपादकीय : माबुहे हमारे समस्त पाठकों को ! इस ग्रीटिंग को मैने फिलीपाइन्स के इवानजेलिकल चर्च से ग्रहण किया है ! ''माबुहे'' के अनेक अर्थ हैं – शुभकामना, स्वागत, बधाईयॉ या शुभ दिन की कामना । ज्यों–ज्यों हम अपने भोपाल सम्मेलन की ओर बढ़ रहे हैं, हमें यह देखकर रोमांच होता है कि विभिन्नताओं के बीच हमारा सेक्शन अधिक विकास की ओर अग्रसर हो रहा है ।

विश्व चर्च कौंसिल के सम्बंध में ब्रिटेन वार्षिक सभा की रिपोर्ट का संक्षिप्त संस्करण यहॉ सम्मिलित किया गया है ताकि क्वेकर विश्वव्यापी पहचान तथा योगदान पर आपकी राय व प्रतिक्रिया ज्ञात हो सके ।

हमारे क्षेत्र में त्रासदी और भीषण दुर्घटनाओं से प्रभावित (पीड़ित) लोगों के लिए मित्र प्रार्थना कर रहे हैं । चाईना और म्यॉमार (बर्मा) के लिए वे वास्तविक सहायता भेजने पर विचार कर सकते हैं । केन्या में मित्रों द्वारा किये जा रहे कार्य का अद्यतन (नच जव कंजम) विवरण सम्मिलित किया है । यदि पाठकगण विकासशील देशों में रहने वाले मित्रों को हमारे सम्मेलन में सम्मिलित होने में सहायता प्रदान करें तो, इससे हमारे प्रयास और कार्य को शक्ति मिलेगी । अनेकों मित्र प्रतीक्षा और प्रार्थना कर रहे हैं कि हम पर्याप्त धनराशि का प्रबंन्ध कर उन्हें भोपाल लाने में सफल हो । हमें बहुत कुछ देना और एक दूसरों से सीखना है, विशेषकर इस प्रकार के विशेष प्रसंग जब हम एक दूसरे से प्रत्यक्ष में मिलने के कम अवसर प्राप्त करते हैं ।

एशिया वेस्ट पेसीफिक सेक्शन गेदरिंग 6–12 नवम्बर, 2008 एवं युवा मित्रों का सम्मेलन 12–15 नवम्बर, 2008

पास्टोरल सेन्टर पूरी तरह से 6जी–12जी नवम्बर तक के लिए बुक कर लिया गया है । नवजवानों के सम्मेलन के लिए स्थान अभी भी उपलब्ध है । सम्मेलन के प्रारम्भ में और बाद में जो कार्यक्रम सम्पन्न होंगे उन सब की रूपरेखा बना ली गई है । इनमें सांस्कृतिक पर्यटन (Cultural Tourism), भारत में एक दूसरे के स्थानों का भ्रमण व मित्र–मिलन सम्मिलित हैं । क्वेकर संचार का योगदान एजेण्डा में समाहित है जिसमें विशेष रूप से संघर्ष का समाधान, नृत्य, थिएटरों में प्रदर्श, आराधना, व्यवसाय वक्ताओं का योगदान आदि सम्मिलित है ।

हमारे नवजवान मित्र एक दूसरे के सम्पक में रहकर Y.F. (Young Friends Event) 12.15 नवम्बर की प्लानिंग कर रहे हैं ।

फेन्डस इस सम्मेलन में सहयोग दे सकते हैं :

बहुतों के लिए भारत की यात्रा करना एक दूर का सपना है जो कि वर्तमान में संभव नहीं है । हम कम विकसित (स्मे क्मअमसवचमक ब्वनदजतपमे) देशों में निवास करने वाले मित्रों को आमंत्रित कर भारत लाना चाहते हैं ताकि हमारे कार्यक्रम में सन्तुलन बना रहे हैं और हम इण्डोनेशिया, फिलीपाइन्स, अफ्रीका, नेपाल तथा भारत की परिस्थितियों से अवगत हो सके । यदि आप अपनी मीटिंग में कुछ धनराशि की व्यवस्था कर हमारे केशियर को भेज सके तो हम अन्य लोगों को भोपाल लाने में सफल हो सकेंगे ।इस अनुरोध पर विचार हेतु धन्यवाद !

युवा व्यस्क मित्रों का सम्मेलन भोपाल में दिनांक 12 से 15 नवम्बर के बीच सम्पन्न होने जा रहे इस सम्मेलन में निम्नलिखित ड्राफ्ट, सन्दर्भ पर विश्वव्यापी दिशा निर्देशों पर विचार–विमर्श होगा । एशिया वेस्ट पेसिफिक सेक्शन में युवा व्यस्कों की क्या भूमिका होगी इस पर विचार करने के लिए नवजवान मित्रों को प्रोत्साहित किया जा रहा है ।

फ्रेण्डस वर्ल्ड कमेटी फार कन्सलटेशन – युवा व्यस्क मित्रों की समिति

पृष्ठभूमि :

युवा वयस्क मित्र डबलिन में आयोजित रखे त्रैवार्षिक सभा के समय हुआ था । सुझाव दिया गया तथा अनुशंसा की गई कि केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति प्रोढ़ युवाओं की समिति बनायेगी जो समस्त सेक्शनों के प्रोढ़ जवानों के लिए होगी ।

यह इस कार्य की सफलता एवं निरंतरता के लिये साधन का कार्य करेगी । उन्होने यह भी सुझाव दिया कि वर्ष 2005 में आयोजित नव जवान मित्र सम्मेलन की अभी भी जो अतिशेष हैं उसे FWCC को हस्तांतरित कर देंगे ताकि कार्य को आगे बढ़ाया जा सके ।

1. उद्देश्य प्रारूप

युवा व्यस्क समिति की संरचना का प्रारूप प्रस्तुत कर सहायता प्रदान करने तथा वर्तमान पीढ़ी के प्रोढ़ युवा मित्रों में समन्वय का कार्य करेगी । वह नेटवर्क प्रदान करेगी, विचार करेगी और विश्व में ल।थ समुदायों के बीच सही भावना के अनुसार सुविधा और सहयोग प्रदान करेगी । इस प्रकार वह उन मित्रों तक पहुँचेगी जो एफ.डब्ल्यू.सी.सी. से सम्बद्ध नहीं है । अपने मिशन को आग्र बढाते हुए सन् 2005 विश्व सम्मेलन (नवजवान मित्र) की भावना के अनुसार समिति ल।थ के आध्यात्मिक जीवन को शक्ति प्रदान करने के लिये कार्य करेगी । यह कार्य हमारी अलग–अलग आस्था और विश्वास की अभिव्यक्ति को आपस में आदान प्रदान कर विरासत में मिली क्वेकर शिक्षा के आधार पर प्रोढ़ युवा मित्र इस उद्देश्य में सक्से आगे बढ़ेंगे, इस पर विचार होगा । यह समिति युवा वयस्क

मित्रों और संबंधित संस्थाओं एफ.डब्ल्यू.सी.सी. में पूर्ण विलय की पैरवी करेगी और यह कार्य सम्पूर्ण रूप से अपने वार्षिक सम्मेलनों में सम्पन्न होगा ।

2. सदस्यता

CEC, नामीनेशन समिति की अनुशंसा और सुझाव के पश्चात् 2 क्लर्को और 10 तक अन्य सदस्यों की नियुक्ति करेगी । सदस्यगणों में ब्ब के एक या दो सदस्य शामिल होंगे जो विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे । ये भिन्न–भिन्न विचारधाराओं के प्रवक्ता होंगे (विभिन्न आयु वर्ग वाले स्त्री,पुरूष)

इस समिति में जो युवा वयस्क मित्रों नियुक्त होंगे, उन्हें नियुक्ति के समय कम से कम 18 वर्ष व अधिकतम 35 वर्ष आयु का होना चाहिये । इसके साथ ही उन्हें अपनी स्थानीय संस्थाओं की गतिविधियों और कार्यो में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए । (यदि ऐसी कोई संस्था उस क्षेत्र में हो । उन्हें व्यक्तिगत रूप से अन्य युवा वयस्क मित्रों समूहों के बीच तालमेल तथा समन्वय रखते हुए अधिकाधिक रूप से कार्य संपादन की क्षमता होना चाहिए (अपने विभाग से)

3. समिति की कार्य प्रणाली :

समिति की प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक बार बैठक सम्मेलन के माध्यम से होगी (विभिन्न समय पर या अन्तराल पर जैसा कि समिति द्वारा निश्चित किया जाये) समिति पत्र व्यवहार के माध्यम से भी कार्य करेगी । समिति अन्य अन्तर्राष्ट्रीय क्वेकर सम्मेलनों में भी प्रत्यक्ष सम्पर्क के लिए अवसर खेजेगी । विश्व कार्यालय, समिति को प्रशासनिक मीटिंग में भाग लेने के लिए सहयोग प्रदान करेगा ।

गठित समिति को यह अधिकार होगा कि वह चार सदस्यों को चुन सके जो भिन्न–भिन्न क्वेकर अनुभवों से सम्पन्न हैं । इस तरह भाषा का चुनाव और पूर्ण प्रतिनिधित्व को अवसर मिलेगा । समिति उपसमितियों और कार्य करने वाली पार्टियों को नियुक्त कर सकेगी जो सम्पर्क द्वारा दिये गए कार्यो को आगे बढ़ायेगी ।

4. वित्त :

समिति का कार्य चलाने के लिए जो बजट होगा वह एफ.डब्ल्यू.सी.सी. के बजट का ही भाग होगा ।

5. युवा व्यस्क मित्रों की आवाज को बुलंद :

समिति के कार्यो में, निम्नलिखित विषयों में से कुछ या सम्पूर्ण रूप से, शामिल किए जा सकते हैं :–

- ❖ एफ.डब्ल्यू.सी.सी. विभागों और क्षेत्रों में युवा वयस्क संस्थाओं और समितियों के गठन व निर्माण को प्रोत्साहन देना उन क्षेत्रों में जहां वे अस्तित्व में नहीं है । ऐसे सम्मेलनों का सक्रिय रूप से आयोजन करना जिनमें लोग प्रत्यक्ष रूप से मिल–जुल सके (यथासंभव क्षेत्रीय सम्मेलनों में)
- ❖ सेक्शन (विभागीय) सम्मेलनों और भिन्न–भिन्न विभागों के बीच यात्रा को सुविधाजनक बनाना ।
- ❖ उन युवा वयस्क संगठनों में सम्पर्क की सुविधा बढ़ाना जो वर्तमान समय में विश्वव्यापी क्वेकर गतिविधियों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े नहीं हैं । विशेषकर वे मित्र समूह जो एफ.डब्ल्यू.सी.सी. सम्बद्ध नहीं हैं और उन्हें जहां तक संभव हो सके अन्तर्राष्ट्रीय सदस्यों के सम्पर्क में लाना ।
- ❖ इलेक्ट्रानिक अध्ययन समूहों की खोज करना और यात्रा मिनिस्टर्स को प्रशिक्षण देना ।
- ❖ भावी अनुवादकर्त्ताओं व द्विभाषीयों पर विचार करना ।
- ❖ डबलिन ट्रिनाइल के सुझावों एवे टिप्पणियों का पुनरावलोकन करना ।

संदर्भ– एफ.डब्ल्यू.सी.सी. 40 वर्ष की आयु तक के युवा व्यस्क की सहायता व पोषण किस प्रकार कर समती है ।

- ❖ 2012 के विश्व सम्मेलन के लिए युवा वयस्क मित्रों को तैयार करना ।
- ❖ अन्य प्रादेशिक युवा वयस्क मित्र संस्थाओं/कमेटियों से मिनिट्स (कार्यवाही विवरण) प्राप्त कर उसके अनुसार कार्य को आगे बढ़ाना ।

युवा वयस्क मित्रों की सहायता के लिए ऐसी सामग्री का निर्माण कर परस्पर वितरण करना जिससे उनकी वार्षिक बैठकों और आराधना समूहों के बीच आवाज बुलंद हो तथा उपस्थिति बढ़े ।

CEs के लिए रिपोर्ट और प्रस्तावों को तैयार करना ताकि एफ.डब्ल्यू.सी.सी. के प्रकाशनों, बजट और कार्यक्रमों में उन्हें सम्मिलित किया जा सके ।

6. समिति का पुनरावलोकन :

2012 में युवा वयस्क मित्रों के सुझाव पर विचार–विमर्श होगा ।

भारत में युवा मित्र : भोपाल के युवा मित्रों ने अपने युवा वयस्क मित्रों के लिये 7–11 मई को कैंप लगाया था जिसमें देवदास श्री सुंदर और क्रिस्टोफर

लाल आदि ने क्वेकर संबंधी भिन्न–भिन्न प्रकार के विचार, विचार–विमर्श हेतु रखे ।

चर्च की प्रकृति और मिशन : जानेट स्कॉट बीवायएम द्वारा अग्रेषित एक रिपोर्ट है । एशिया वेस्ट पेसेफिक सेक्शन के मित्रों के लिए उस पर विचार करने के लिए बहुत कुछ है (हमारी वार्षिक बैठकों के समूहों में बढ़ रही विभिन्नता आदि विषयक)

पूरी रिपोर्ट हमारी वेबसाईट :
www.swccawps.org/Publicatins>Resources,Articles में है ।

यह चर्च के उद्देश्य, शिक्षाओं, चर्च आज्ञाओं और प्रभाषिकता पर पूर्ण रूप से प्रकाश डालती है ं मैं, आशा करता हूँ कि आप मुझसे सहमत होंगे कि यह हमसे एशिया वेस्ट पेसेफिक सेक्शन में बहुत अधिक सम्बद्ध है क्योंकि हम परमेश्वर अदृश्य और दृश्य चर्च के विषय में, भिन्न–भिन्न क्रमबद्ध धर्म ज्ञान और प्रचलित कार्यप्रणाली के विषय में मिलकर कार्य करते हैं ।

ब्रिटेन में क्वेकर्स की प्रतिक्रिया जो कि विश्व की चर्च कौंसिल के समक्ष प्रस्तुत किया गया (विश्वास और औज्ञा के सम्बन्ध में) पेपर 198 में कामन स्टेटमेंट की दिशा में एक पायदान है।

निम्नलिखित एक संक्षिप्त प्रत्युत्तर है, जो विश्व की चर्च कौंसिल के समक्ष रखी गई है । यद्यपि यह एक वार्षिक बैठक की ओर से जारी की गई है, इसके लेखकगण इस बात को जानते हैं कि सारे विश्व में क्वेकर समूहों के बीच अनेक प्रकार की मान्यताऐं प्रचलित हैं । ''हम केवल अपने लिए बोलते तथा अपनी बात रखते हें परनतु हमने अपने ड्राफ्ट (मसौदे) को दूसरी क्वेकर संस्थाओं को उपलब्ध करया है इसलिए हम संतुष्ट हैं कि हमारा दृष्टिकोण क्वेकर्स की वृहद विचारधारा से बहुत भिन्न नहीं है ।

प्रतिनियुक्ति के संबंध में : हमारा मत है कि हमें अपना धर्मज्ञान, समझ और ज्ञान से प्रारम्भ करना है न कि पूछे गए प्रश्नों से । हम आशा करते है कि ऐसा करके हम अपनी विचारधारा का तर्क सम्मत विवरण, अपने धर्मज्ञान के आधार पर दे सकेंगे । जो भावी समझ के लिए उपयोगी होगा ।

क्वेकर विचारधारा : सबसे पहले मित्रों के अनुसार क्वेकर विचारधारा पुरानी ईयाइयत का नवीनीकरण है । चर्च की क्वेकर विचारधारा का स्वरूप, नये टेस्टामेंट की समझ और सत्रहवीं शताब्दी में विद्यमान चर्च की विचारधारा के तुलनात्मक विवेचन से सामने आया । सत्रहवीं शताब्दी का चर्च दर्शन बाइबल के अनुसार नहीं था ।

क्वेकर विचारधारा को हमें उस रूप में देखना होगा कि वह किन बातों को स्वीकार करती है और किन्हें स्वीकार नहीं करती । (कुछ इसाई परम्पराओं में पहचान के लिए बाह्य स्वरूपों को मान्तया दी गई है) ।

अदृश्य केथोलिक चर्च का स्वरूप उन लोगों से स्पष्ट हुआ है जो परमेश्वर के प्रकाश को अपने हृदय और आत्मा में अनुभव करते हैं और परमेश्वर की इच्छा के अनुसार कार्य करते हैं । यह चर्च किसी राष्ट्र, भाषा और धर्म से बंधा हुआ नहीं है । इसकी सीमा अनन्त हैं । इस चर्च के अनुयायी वे हैं जिनके हृदय पवित्र हैं, जो सत्य पर चलते हुए परमेश्वर की ज्योति और प्रकाश का अपनी आत्मा और हृदय में अनुभव करते हैं । ये लोग परमेश्वर से जुड़ गए हैं – आबर्ट बारक्ले–एपोलाजी ।

यह दृश्य चर्च उन लोगों से मिलकर बना है जो ईसाइयत की भावना रखते हैं सत्य के माग पर चलते हुए एक दूसरे का ध्यान रखते हैं । यह ध्यान रखना प्रशंसा के योग्य हैं कि यदि हम आन्तरिक सत्य को छोड़कर बाहय रूपों में ही उलझ जाते हैं तो यह अपने ''स्वधर्म'' का त्याग करने जैसा होगा ।

अदृश्य चर्च : हमारे लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि जो वास्तविक चर्च है वह अमूर्त (बिना बाह्य स्वरूप का) है और हमारे हृदय में बसा हे । चर्च कोई बनाई हुई संस्था न होकर उन लोगों का समुदाय है जो परमेश्वर के लिए संगठित और एकत्र हुए हैं । चर्च सार्वभौमिक है । वह उस ईश्वरीय प्रकाश पर आधारित है जो व्यक्ति की आत्मा में बसकर उसके जीवन को अपने प्रकाश से पर्ण कर देता है – जान 1:9

हमें अपने आप से, अपनी अन्तरात्मा से प्रश्न करना चाहिए कि, क्या हम परमेश्वर के कार्य को मान्यता देते है ?

साकार चर्च : की विचारधार की महत्वपूर्ण बात यह है कि साकर चर्च केवल एक प्रतीक है । परमेश्वर की आज्ञा और उद्देश्य को पूरा करने का एक साधन और सेवक है । वह जीवन के प्रतयेक क्षेत्र में – संस्था, उद्देश्य, आराधना और अपने मिशन के रूप में उस दैवी प्रकाश का अनुभव करता है । यह परमेश्वर की इच्छा, क्राईस्ट के प्रम, द्विदेवी आत्मा के प्रकाश से पूर्ण है।

परमेशवर के बताये मार्ग पर चलने से पवित्र जीवन का अनुभव होता है । चर्च विश्व में हृदय परिवर्तन के उद्देश्य को पूरा करने का साधन मात्र है न कि उद्देश्य (साध्य) ।

चर्च की प्रकृतिम : परमेशवर पर निर्भरता के द्वारा उसका संबंध परिभाषित परमेश्वर है और इसकी परिभाषा परमेश्वर के साथ उसका समबन्ध किस प्रकार

का है, इस विवेचन से ही दी सकती है । परमेश्वर कौन है, क्या है ?यह सदा से एक रहस्य है फिर भी हम उसे याद करते हैं । चर्च का उद्देश्य और प्रकृति परमेश्वर के प्रकाश और द्विव्यता को रेखांकित करता है तथा इसके प्रकाश को सक्रिय करने का माध्यम चर्च है । चर्च की एसकता इसी दैवी प्रकाश की ओर बढ़ने पर बनी रह सकती है ।

चर्च के समस्त सदस्यगण मिलकर आत्मज्ञान (ईश्वरीय) को प्राप्त करते व परस्पर सहायता करते है । चर्च समुदाय उस पवित्र आत्मा के निर्देशों के अनुसार कार्य करता है । क्योंकि वही पवित्र आत्मा राह दिखाती है, निर्देश देती है, सदस्ज्ञयों और चर्च समुदायों को प्रेरणा देकर शक्ति प्रदान करती है । यह एक रचनात्मक आत्मा है जो नई समझ और नई क्रियाओं का विकास करती है । देवी आत्मा सदा विद्यमान और अपरिवर्तनशील है । यह प्रेम के शब्दों, कार्यो, शांति, आत्मा त्याग, क्ष्मा, दया आदि गुणों को विकसित कर मानव गरिमा को बढ़ाती और प्रोत्साहित करती है ।

विश्व में मित्र समुदाय भिन्न–भिन्न प्रकार की आराधना पद्धतियों को ग्रहण कर प्रदर्शित करते हैं और इसी से यह ज्ञात होता है कि आराधना का कोई भी स्वरूप परमेश्वर की कृपा को पूर्ण रूप से में व्यक्त करने में पूर्ण रूप से सक्षम नहीं है । क्योंकि हमारी धारण सिद्धान्त और व्यवहार स्थायी नहीं है । अतः हमें आत्म विश्लेषण की आवश्यकता है कि वास्तव में परमेश्वर की आज्ञा क्या है ?करेन्थीयन 13:13 आस्था, आशा और प्रेम प्रभु के मार्ग से प्रधान है ।

प्रत्येक चर्च अपनी संरचाना और व्यवहार में इन गुणों को प्रावधान के रूप से क्यों ग्रहण नहीं करता ?हमारी आध्यात्मिक मित्र मण्डली का यह अनुभव है कि परमेश्वर के राज्य की कुॅजी और प्रतीक समानता की भावना ही है । इसी ज्ञान और निश्कर्ष के आधार पर हम चर्च संस्थाओं में स्त्रियों क अधिक से अधिक भागीदारी का स्वागत करते हैं और अधिक उन्नति के लिए सीमान्त समूहों के सममेलन को प्रधानता देते हैं । यहा हम विभिन्न प्रश्न रख रहे हैं जो अभी तक faith and order consultation द्वारा अनुत्तरित हैं :–

❖ प्रत्येक चर्च में हम कार्यशील पवित्र आत्मा को कैसे मान्य करते हैं ?

❖ आपने जीवन काल में एक क्रिश्चियन अपना साक्ष्य किस प्रकार स्पष्ट करता है ?

❖ आज के युग में आप किस प्रकार विश्वास व्यक्त करते हैं और अन्तिम सत्य दर्शाने के लिए शब्द कहां से पाते हैं ?

❖ चर्च की उन्नति और विश्व सेवा के लिय भेंट और मंत्रालय की मान्यता आप किस प्रकार सुनिश्चित करते हैं ?

❖ आपकी आराधना आप को किस प्रकार क्राईस्ट के समीप लाती है तथा आपको किस प्रकार परमात्मा की समीपता की पावन ज्योति रूप शक्ति प्रदान करती है ? क्योंकि आप परमात्मा की इच्छा की पूर्ति के काय्र में लगे हुए हैं ।

❖ स्नेह में परिपूर्ण दृष्टिगत एकता कैसी होगी ?

संपादक : ये प्रश्न आपके चर्च अथवा मीटिंग में विचार करने योग्य है अथवा आगामी AWPs के सम्मेलन में । कृपया इस रिपोर्ट के बिन्दुओं पर अपने विचार AWPs को भेजें । किन्तु इस पूरे पाठय को अवश्य पढ़ें ।

❖ फिलीपाइन्स एवेन्जेलिकल फ्रेन्डस चर्च :

इस बाबत हमने विभिन्न मुद्दों पर कार्यक्रमों की जानकारी मांगी है । वार्षिक बैठक भी FWCC से शीघ्र सम्बद्ध होने वाली है । उदाहरणार्थ– मैं समझता हूॅ कि मनीला स्थित बाइबिल कालेज समूचे एशिया फिलीपींस, कोरिया, म्यॉमार, चायना, इन्डोनेशिया तथा क्मबोडियाई लोगों को प्रशिक्षण देता है । जैम टेबिनगो व्यक्त करते है कि नवयुवकों में क्राईस्ट जेसा चरित्र निर्माण करना तथा प्रभु क कार्य को पूर्ण कालिक तथा चुस्त दुरूस्त रखने की प्रेरणा देना एक महान कार्य है। समूचे एशिया में PEFC की प्रशंसा पास्टर्स को प्रभावित करती है ।

❖ मित्र मडली के समाचार :

बोत्सवाना के शैलाग वाइलेट लिखते है कि इस प्रकाशन तथा विशेषकर PEFC की विस्तीर्ण एवं व्यापक गतिविधियों की जानकारी मुझे आनंदित कर देती है । मुझे याद है जब यह महती कार्य प्रारम्भ किया गया था तब विभिन्न देशों के बहुभाषी, विभिन्न संस्कृति के लोगों को एक विचारधार के अंतर्गत एक साथ लाना तथा उन्हें जोड़ना कितना बड़ा चैलेन्ज था । इसी प्रकार की विभिन्न आराधना पद्धति तथा बहुभाषी आदि कारणों से प्रत्येक व्यक्ति की सोच बन गई है कि अफ्रीका चैलेजिंग है किन्तु यह भी सुस्पष्ट है कि यह एक पूरा कॉटिनेंट है । मैं आशा करता हूॅ कि आपका सेक्शन इस कार्य में दिनो दिन शक्ति प्राप्त करे ।

❖ यूथ वाटसन, मारग्रेट बाईवाटर के सम्पर्क में है । उन्होने बताया कि नान्पेन्ह वर्किंग ग्रूप नियमित रूप से मिलते है तथा वहां अपने मित्रों को पूर्ण सहायोग प्रदान करते है। जब कभी मित्रगण कम्बोडिया भ्रमण पर जाते हैं वे ईमेलः margby@online.com पर मारग्रेट के सम्पर्क में रहते है ।

❖ मैथ्यू और एम.ए. स्किनमैन हाल ही में सिंगापुर गए हैं तथा वहां क्वेकर्स के लिए कार्यरत हैं ताकि आराधना कर सके । इस बीच यदि सिंगापुर में नए लोगों

का आगमन होता है तो वे कृपया ईमेल mshinkma@yahoo.com पर इन मित्रों से समपर्क करें या कि फिर मोबाइन फोन +6582281094 पर वे यश वाटसन के सम्पर्क में रहे जो

कि पश्चिम एवं दक्षिण हॉगकॉग में अलग थलग मित्रों के साथ कार्यरत हैं ।

❖ फिलीपीन्स के माइकल टैन को च्म्थ्छ तथा एशिया वेस्ट पेसेफिक सेक्शन के अंतर्राष्ट्रीय सदस्य के रूप में स्वागत किया जाता है । शादीशुदा, दो बच्चों के पिता माइकल एक शिक्षविद् हैं । एक न एक दिन माइकल तथा उनके परिवार से मुलाकात का हमें इंतजार है । फिलीपीन्स के ही बोनी फेसिओ किरोग के बारे में माइकल लिखते हैं कि '' मित्रों के प्रति मेरा आकर्षण क्रिश्चियन बने रहने की जरूरत थी, इस नाते भी जेन के साथ मैं परमेश्वर क्राइस्ट का सेवक हूँ और वो मेरा सहारा है । मौन और शॉत क्वेकर इस सहारे की घड़ी है ।

❖ एन आरबर के थामस टेलर लिखते है कि ''2007 डबलिन में एशिया वेस्ट पेसेफिक सेक्शन मित्रों को देखकर में भावविभोर हूँ । पूर्व में नेन्सी और मुझे समचार पत्र बहुत पसंद था । विगत् 6 वषों से मैं AFSC इंटरनेशनल कार्यपालिक समिति में अपनी सेवाऐं दे रहा हूँ तथा यू.एन.ओ. में हमारा काग्र सदा ध्यान में रहता है । हमारे एक ग्रूप ने सीनेटर स्टेबैनों से मुलाकात का एक कार्यक्रम तय किया है जो बजट और वित्त समिति के सीनेटर के नाते शांति स्थापना के लिए बजाय मिलिटरी साधन के यू.एन.ओ. की उपयोगिता ऑकलन के लिए लांबिग कर रहे हैं । हमें पूर्ण विश्वास हैं कि बरक ओबामा सहजता से नए एजेन्डा के साथ व्हाईट हाउस में पदार्पण करेंगे, जिसके लिए हम सहमति के नजदीक हैं ।

❖ नीदरलेण्ड वार्षिक सभा के शेन्डी शाम सैन लिखते है कि—''कुछ वर्षो से मैं प्रायः भारत भ्रमण पर हूँ तथा बारामासी बैठक में क्वेकर्स से मिलना चाहूंगा । क्या आप वहां किसी को जानते पहचानते है । में बिना लाभ की एक संख्या ''निर्माण'' से सम्बद्ध हूं । इस बाबत वहॉ मिलन के लिए हम समाचार पत्र में विज्ञापन दे सकते हैं क्योंकि प्रत्येक विजिट में एक माह तक ही मैं शहर में उपलब्ध रह पाता हूँ । मैं पेंटिंग सिखता हूँ तथा आशा करता हूं कि संगठन भी आर्ट की कुछ क्लासेस पसंद करेगा । स्कूल तथा अनाथालय जहां कि बच्चों को पेंटिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है । इस अभाव की पूर्ति के लिए मैं, थाईलेंण्ड, कम्बोडिया, वियतनाम तथा कुछ अन्य द्वीपों की यात्रा निर्धारित कर रहा हूँ । इस विषय पर क्या आपसे कोई सुझाव हैं । इन देशों में जनवरी 2009 के आखिरी दिनारें में, में उपलब्ध रहूंगा । इस समय में हालैण्ड में हालैण्ड फ्रेण्ड्स का सदस्य हूं । कुछ वर्ष पूर्व 2 वर्ष तक मैं वहा क्लर्क रहा ।

ईमेल sandyshansen@wmol.com है ।

❖ विश्व संस्था हमारा ध्यान ईडन और जिम ग्रेस के कार्यो की ओर आकृष्ट करती है । केन्या में थ्न्ड के कर्मचारी फण्ड की कमी के कारण छटनी कर दिए गए हैं, केन्या की समस्याऐं मुख्य शीर्षक से ही हटा दी गई है परन्तु समस्या जस की तस बनी है । आंतरिक रूप से विस्तापित परिवार शांति स्थापना और पुनर्निमाण पहले की अपेक्षा आज ज्याद जरूरी है ।

❖ ईडन ग्रेस लिखते है कि 2008 के पूर्वाध में आजादी के बाद केन्या ने भीषण नरसंहार देखा है । हमारे परिवार को भी किसुमू में शरण लेनी पड़ी । हमारे बच्चे भयंकर बीमारी की चपेट में है । बढ़ती कीमतों ने हमारी व्यक्तिगत आर्थिक स्थिति छिन्न–भिन्न कर जीवन यापन दूभर कर दिया है । बहुत किया जाना है और हम तनाव की स्थिति में हैं ।

❖ मुझे विगत 4 महीनों से चर्च शांति टीम के मित्रों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला । टीम में वहां अभी 50 से भी ज्यादा समर्पित कार्यकर्त्ता है । सभी वालिंटियर पूरा समय और शक्ति केन्या में अमन और शांति के लिए लगा रहे हैं टीम ने वहां बहुत अच्छे कार्य किए हैं । टीम ने वहां आंतरिक रूप से विस्थापित 15000 लोगों के लिए भोजन, साबुन, कंबल, सेनेटरी टावेल तथा कपड़ों का प्रबंध्न किया है, साथ ही शंति और सद्भावना का संदेश प्रसारित किया है । वस्तुतः इनमें से 11000 लोगों की देखभाल किसी अन्य संस्था के द्वारा भी नहीं की जा रही । अब अंतर्राष्ट्रीय दबाव के कारण सरकार विस्थापितों पर कैंप छोड़ने का दबाव डाल रही है । टीम भी अपने कार्य के द्वितीय चरण की ओर जा रही है । सरकार की ढुलमुल नीतियों की वजह से इतनी बड़ी विपदा का निदान सुचारू नहीं हो रहा है । बिना किसी स्थाई समाधन के लोगों का जबरिया विस्थापन भविष्य में और हिंसक हो सकता है । शांति दल इस घड़ी में व्यापक रूप से दुखियों (लोग उन्हे आक्रॉता कहते है) की कराहों को सुन रहा है तथा दुख दर्द को हल्का करने में लगा है ताकि सही मायने में विस्थापितों का दर्द बॉटा जा सके ।

शॉति दल के सदस्य सामान्य क्वेकर हैं वे सिद्धहस्त क्वेकर नहीं है । वे लगभग हर वर्ष, वार्षिक मीटिंग में आते हैं । इनमें पास्टर्स, शिक्षक, कृषक, माताऐं, सेवा निवृत सेवक तथा विद्यार्थी सम्मि3लित हैं । आपसे मेरी विनम्र अपील है कि केन्या में शॉति स्थापना के कार्यो को न भूलें । क्योंकि विश्व की अन्य समस्याऐं केन्या की भीषण्ता को भुला सकती हैं । शॉति स्थापना एक लंबा कार्य है । चर्च की शॉति स्थापना मित्र मंडली जब तक जरूरी होगा सेवारत रहेगी । इस महती कार्य के लिए हमें आपकी सतत् दुआओं और सहयोग की अप्रेक्षा है ।

हम दोनो ही स्थानों लुगलू और कैमोसी हास्पिटल में नित नए कार्यक्रम संपादित कर व्यवस्थापक एवं कार स्टॉफ को प्रशिक्षित करने व्यस्त हैं । एक

परिवार की तरह हम केन्या में 4 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं, और हम वैसा ही अनुभव करते हैं जिसके लिए हम समर्पित हैं । हमने इस दौरान बहुत कुछ सीखा है और आगे भी सीखने की तमन्ना रखते है ं इस मंत्रालय से जुड़े रहने के लिए आपसे सतत् सहयाग की अपेक्षा करते है । मैं समझ सकता हूं कि नए मंत्रालय, नए प्रोजेक्ट, नया फील्ड स्टॉफ, नित नई प्रमुखताओं के प्रति उत्तेजित होना स्वाभावित है । किन्तु यह परमेश्वर का कार्य है जो कि सतत् सेवा भावना ताकि दीर्घकाल तक संकल्पित भाव से पूर्ण होता है न कि शक्ति के त्वरित विस्फोट से । यदि आपका लगाव, झुकाव कमजोर पड़ा तो आपका परिवार न तो यहां रहना चाहेगा न ही कार्य करना । इसलिए कृपया लमारा साथ दे तथा हमसे जुड़ने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करें । कृपया हमारे मंत्रालय को वित्तीय सहयाग प्रदान करें और इस समाचार पत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें । कृपया लगे रहे, यह अति महत्वपूर्ण है । ॅब्ब महासचिव, नेन्सी इरविंग अनुरोध करती है कि परमात्मा के सेवा कार्य हेतु डोनेशन वर्ल्ड आफिस के माध्यम से भेजें । यदि यह हमारे सेक्शन के माध्यम से आ रहा है तो इसे हमारे ट्रेजरार मि. इवान्स को माध्यम बनाऐं ।

पेम्बा चर्च पुनरूत्थान : मोसेस मोसांगा लिखते है कि '' हम पेम्बा फ्रेन्ड्स का पुनरूत्थान देख रहे है । पेम्बा की समस्या यह है कि मिशनरीज के ब्रिटेन से प्रस्थान के बाद जो कुछ भी वहॉ छूट गया था उसका कोई मालिकाना हक नहीं था । वार्षिक बैठक स्वयं ही मृत अवस्था में जा रही थी, कोई मालिकाना हक भी न रहा । अधिकतर संपत्ति भी उन्ही के हाथ लगी जिन्हें नेताकिरी सौंपी गई । एक अच्छा पक्ष यह है कि पेम्बा की मिशन प्रापर्टी का मालिकाना हक फ्रेन्ड्स इंडस्ट्रियन मिशन की वार्षिक बैठक में निहित है ।

पेम्बा फ्रेन्ड्स मिशन केन्द्र के लिए हमारी कार्य योजना निम्नानुसार है :–

❖ नैरोवी इस बात पर सहमत है कि मोम्बासा मासिक बैठक को पेम्बा फ्रेन्ड्स मिशन का निरीक्षण का जिम्मा सौंपा जाये जो चर्च पुनरूत्थान का कार्य हाथ में लें ।

❖ मिशन हाऊस के ग्राउण्ड फ्लोर पर कम्प्यूटर सेवाऐं यथा, साइबर कैफे प्रारम्भ किया जाये और उपर के फ्लोर पर कम्प्यूटर कालेज स्थापित किया जाये । हमारा विचार एम.एस. वर्ड स्वाहिली वरसन के इन्स्टालेशन का है ।

❖ इंगलेण्ड की एक कम्पनी कम्प्यूटर की खेप तब तक अफ्रीका भेजती रहे जब तक किराया और टैक्स टने की हमारी क्षमता है । हम भी वर्ल्ड आफिस सहकारिता तथा अन्य पार्टनर्स से निवेदन करेंगे कि इस स्वप्न को साकार करने में हमारी मदद करें । कम्प्यूटर्स मोम्बासा भेजे जा सकते हैं क्योंकि केन्या में कम्प्यूटर्स आयात पर कोई शुल्क नहीं लगता मोसेस मोसोंजा, सचिव ....

न्यूयार्क स्थित क्वेकर यूनाईटेड नेशन समिति : नए डाइरेक्टर्स एन्ड्रयू टोमलिन तथा डेविड एटवुड की पहली बैठक के अवसर पर न्यूयार्क एवं जिनेवा कार्यालयों के बेहतरीन प्रबंधन के लिए कर्मजोशी के साथ धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया बरूंडी स्थित पीस बिल्डिंग कमीशन का कार्य AHSC एवं QUNC का एक संयुक्त प्रोजेक्टर है । बढ़ते विवाद एवं समस्याओं के कारण विशेषकर DRC को युगांडा से दक्षिण अफ्रीका ले जाया जा रहा है। QNC भी ईरान के आसपास की समस्याओं के मद्देनजर नवनिम्राण के लिए अन्य NGO सहभागी की तलाश में हैं । जैसे कि WCC एवं मेन्नोनाइटस । वातावरण तथा स्थायित्व जैसे मुद्दे निपुणता दिखाने की बजाय विशुद्ध डिप्लोमेसी से उठाए जाऐंगे।

जिनेवा QNO प्रगति : जिनेवा में विश्व आर्थिक प्रोग्राम की कमान के जिम्मेदार सदस्यों की स्टाफ पोजीशन जानने के लिए आवेदन मंगाए जा रहे है। विस्तृत विवरण फछ्छ की वेब साईट www.quno.org को प्रेषित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही QUNO की एक पूरी सिरीज का प्रकाशन उपलब्ध है। जिसमें सम्मिलित एक अति नवीन प्रकाशन ''हालात के मारे बच्चे कैद में'' बच्चों से संबंधित है जिनके जीवन का अंत कैद में ही हो जाता है । क्योंकि उनके पालक भी कैद में है ।

बेंकाक में 9 मई को जिनेवा QUNO के डायरेक्टर डेविड अटवुड ने सशस्त्र विद्रोह एवं विकास पर आयोजित कान्फ्रेन्स में सम्मिलित हुए । कान्फ्रेन्स ने सशस्त्र विद्रोह एवं विकास पर एक घोषणा पत्र प्रस्तुत किया जिस पर विभिन्न देशों यथा, आस्ट्रेलिया डी.पी.आर. कोरिया, इंडोनेशिया, जापान, नेपाल, फिलीपीन्स तथा रिपब्लिक ऑफ कोरिया आदि ने हस्ताक्षर किए हैं । घोषणा पत्र की एक धारा कहती है कि ''राष्ट्रीय, उपक्षेत्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विकास योजनाऐं एवं युद्ध कौशल क्षेत्र में सशस्त्र विद्रोह की रोकथाम एवं कमी लाने के लिए पालिसीज, प्रोग्राम तथा प्रयास (जो भी उपयुक्त हो) के लिए हम सहमत हैं ताकि सशस् विद्रोह की घटनाओं को रोका जा सके '' यदि आप पूरा घोषणा पत्र तथा हस्ताक्षिरित देशों की लिस्ट की प्रति चाहते हैं तो हमें लिखें यह माध्यम आपकी सरकारों से विषय पर लाबिंग के लिए उपयोगी होगा– टोपसे इवान्स <evens@c130.9qnc.net an

वार्षिक बैठक जापान : आस्ट्रेलिया मित्र मंडलजी के 2009 में जापान यात्रा के लिए तात्कालिक वार्ताऐं जारी है, जिसमें ड्रयू लासन एवं फियोना गर्डनर जापानी मित्रों तथा टोकियो स्थित फ्रेन्ड्स स्कूल के छात्रों के साथ आध्यात्मिक बैठक करेंगें । कृपया प्रार्थना करें कि यह काय्र सफल हो ताकि ॅब्ब द्वारा दिखाए गए माग से आपस में स्नेह एवं जीवन में परमेशवर की आंतरिक प्रेरणा प्राप्त हो ।

स्कूलों में विवादों–प्रस्तावों का शिक्षण : एशिया वेस्ट पेसेफिक सेक्शन के अंदर अनेकों मित्र शिक्षक हैं तथा वे चाहते हैं कि स्कूली शिक्षण में एक ऐसा कार्यक्रम तैयार किया जाये जिसमें विवादों के समाधान सम्बन्धी नियम–कायदों का समावेश हो । आस्ट्रेलिया से केथरीन स्मिथ लिखती है कि ''HIP(Help Increase the PEACE) तथा AVP का अनुवाद जो कि स्कूली एवं कालेजों के लिए लिखा गया है जनसामान्य के लिए उपलब्ध है । इसे AVP एवं HIP के प्रशिक्षित / अप्रशिक्षित शिक्षकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, इसके साथ ही टीचर्स मेनुअल भी उपलब्ध है । कोर्स को विवादों का स्थानान्तर बोला जाता है। विस्तृत विवरण वेबसाईट – www/transformingconflict:info पर उपलब्ध है ।

संपादक : मैने इस साइट पर विभिन्न समयकाल के कार्यक्रम देखे । यदि हमारे पाठकगण विवादों के प्रस्ताव अपने टीचिंग अनुभव के आधार पर शेयर करना चाहते हैं तो मैं उनका सम्पर्क उन लोगों से करा सकता हूँ जो इस प्रकार का सहयोग चाहते हैं ।

इस नेट वर्क को भले ही ''मात्रा में कम, उद्देश्य में बड़ा'' हो सतत् सहयोग जारी रहेगा । परिवहन और सहयोग पर बन्दिशों के शिथिल होने पर मांग और पूर्ति के लिए हमारा स्टॉफ संतुलन बनाये रखेगा । पीड़ितों के पुनरूत्थान के लिए हमने बीच का रास्ता चुन लिया है कि उन्हें किस प्रकार अधिकतम सहयोग प्रदान किया जाये । हमने काम खुले रखे हैं । भले देर हो जाये स्थिति पर हमारी निगाह है ।

हम प्रार्थना करते हैं कि म्यॉमार के पीड़ितों को राहत मिले ।AFSC की वेब साईट के माध्यम से अथवा चेक द्वारा (साइक्लोन नरगिस) सहायता राशि AFSC-1501 स्ट्रीट, फिलेडेलिफया (PA 18102) को भेजी जा सकती है ।

क्वेक चेन्गडू रिपोर्ट : एक मित्र

स्थानीय समाज के बीच विश्वास पैदा करने के उद्देश्य से सन् 2005 से AFSC ने बर्मा के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले विभिन्न आसथा, धर्म तथा क्षेत्र आधारित लोगों से सम्पर्क स्थापित किया है । इनमें सामुदायिक विकास कार्यकर्त्ता, विचारक, धार्मिक नेता एवं शांति के प्रणेता सम्मिलित हैं । इसमें कुछ कार्य औपचारिक तथा अन्य कार्य अनौपचारिक संस्थाओं द्वारा सम्पन्न होते हैं । वर्षो की दास्तां के बाद ऐसे लोगों का एक नेटवर्क तैयार किया गया है, जो एक दूसरे पर विश्वास करते हैं, सहयोग करते हैं, यह सोचकर कि अपने देश के नागरिकों को वे किस प्रकार की मदद दे सकते हैं । क्षेत्र के अन्य सम्बधित संस्थाओं के मूल्यवान योगदान से AFSC ने विभिन्न स्थानों पर सामाजिक कार्यकत्ताओं के जोड़ने की प्रक्रिया प्रारम्भ की है।

म्यॉमार भीषण त्रासदी पर AFSC के कार्य :

पेट्रिक वुड SICHUAN प्रान्त की राजधानी चेन्गडू में क्वेक के मुहाने से लगभग 70 किलोमीटर दूर निवास करते हैं तथा हॉगकॉग के मित्रों को घटनाक्रमों की अद्यतन जानकारी देते रहते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जरूरतों की पूर्ति लिए अधिकारियों के पास समुचित स्वच्छ भोज्य पदार्थ और साफ पानी उपलब्ध है। टेन्ट, कम्बल, भवन निर्माण की इस समय सख्त जरूरत है।

पेट्रिक का सुझाव है कि स्माल ब्रिटिश चेरिटी के लिए हम योगदान दें । "Development organisation for Rural Sichuan" को DORs के नाम से भी जाना जाता है । वे पबीनंद कें ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं तथा जमीनी स्तर पर सहायता सहयाग प्राप्त कर सकते हैं । क्व्े विगत बाहर वर्षो से काग्ररत हैं उसकी वेब साईट htyp://www.dors.org.uk/page asp/ pagekey=13 & language=0

बर्मा के अंदर ये लोग खुले आम अथवा ग्रूप में नहीं मिल सकते । ये वे वालिंटियर हैं जो घरों के बाहर काम करते हैं, उद्योगों में लगे हैं, मठ, मंदिरों और चर्चो के सेवक हैं वे स्थानीय सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय राहत सामग्री से लेस होकर छो्टे–छोटे दलों के रूप में ट्रकों अथवा कारों से सफर करते हैं ताकि वे शंकास्पद न दिखें । वे अपने साथ ऐसा कुछ नहीं रखते जिससे जाहिर हो कि वे अंतर्राष्ट्रीय हैं क्योंकि वहां रोड पर जगह–जगह चेक पाइन्ट स्थापित हैं । वे उन दवओं का वितरण करते हैं जो हमें सहयोगी मोनिस्टिक स्कूल से कम्युनिटी सिस्टम के अंतर्गत प्राप्त हुई है । उनकी और भी जरूरते हैं जैसे खाद्यान्न, राशन, खास दवायें, दूषित कुऐं साफ करने के पम्प, प्लास्टिक चादरें, पम्पों तथा वाहनों के लिए ईधन आदि अनय जरूरते हैं, खाना पकाने के लिये कोयला तथा घांसलेट आदि । ।थ्ळ द्वारा प्रदत्त धन से मुख्य वसतुऐं क्रय कर शहर के बाहरी इलाकों के जरूरतमंदों को स्थानीय लोगों की मदद से मोनास्टिक नेटवर्क तथा स्थानीय ट्रांसपोर्ट द्वारा रसद पहुॅचाया जा रहा है ।

विदेशीी मित्र अपना डोनेशन Julian Stargardt AWPs के माध्यम से भेज सकते हैं ।

ऐसोसियेट ट्रेजरा, email: Friends HK(a) gmail.com

क्रिश्चियन पीसमेकर टीम्स (CPT) :

ब्ण्ज् के आस्ट्रेलियन चेप्टर में आगामी विकास योजना के लिए सिडनी में एक छोटी बैठक मई माह में आयोजित की गई अगमी बैठकन 2008 में मेलबोर्न, सिडनी तथा ब्रिसबेन में आयोजित की जायेगी । आशा है कि इससे ब्ण्ज् और

उसके वालिंटियर्स हमारी संस्था की कठिनाईयों के निदान के लिए आगे बढ़ेंगे । पूछतांद के लिए – valerei.joyi@optusnet.net.au

भविष्य का क्वेकर इंस्टीट्यूट :

अमेरिका के जानेमाने पुस्तक प्रकाशक बैरेट कोहेलर ने क्वेकर इंस्टीट्यूट के कार्यो की जानकारी देने वाली पुस्तक के प्रकाशन के लिए सहमति दे दी है । तात्कालिक शीर्षक है

ष्पहीज त्मसंजपवदेीपच रू जीम भ्दकेःव्द ळनपकम जव ठनपसकपदह ूँवसम म्तजी म्बवदवउलण् यह प्रकाशन जनवरी 2009 में उपलब्ध होगा ।

पुस्तक के बिन्दु निम्नानुसार होंगे :–

- अर्थ व्यवस्था कैसे कार्य करती है ?
- अर्थ व्यवस्था है क्या, किसके लिए ?
- अर्थ व्यवस्था बड़ी या छोटी होना चाहिए ?
- लाभ और भार के बंटवारे के लिए साफ सुथरा आधार क्या है ?
- सुदृढ़ समूचे विश्व की डायनामिक अर्थव्यवस्था का संचालन किस प्रकार हो ?
- हम उसमें किस प्रकार निहित हैं ?

यह सामान्यतः स्वीकार किया जाता है कि ग्लोबल वार्मिंग के दुश्प्रभाव महसूस हो रहे हैं । नवीनतम वैज्ञानिक आंकलन है कि 2015 तक हमें वर्तमान व्यवसायिक प्रक्रियाओं में भारी परिवर्तन करना है इससे पहले कि तापमान 2 डिग्री सेलसियस ऊपर न हो जावे और मानवता के समक्ष खरनाक हालात पैदा न हो जाये । जैसा कि हम जानते हैं । यदि हमें मानवीय अर्थ व्यवस्था और भूमण्डलीय जीवन की एकता पर आधारित प्रणालियों को उचित संबंधों पर आधारित करना है तो आधारभूत प्रश्न को जो कि हमारे समक्ष है उनका त्वरित समाधान खोजना होगा ।

पुस्तक इस बाबत संस्थागत एवं नीति स्तर पर इस समय जारी आन्दोलन की ओर संकेत करती है ।

वेबसाईट – http://mecteam.blogspot.com पर विषयवस्तु एवं अन्य जानकारी उपलब्ध है ।

Rober Howell, Aotearoa, New Zealand YM

म्यॉमार में विनाश, जहॉ अनौपचारिक सहायता ही एकमात्र विकल्प है ।

यदि आप AWPs न्यूजलेटर प्राप्त करना चाहते हैं तो अपना आर्थिक योगदान कर सकते हैं। इसका वार्षिक मूल्य AUD $ 20 है । इसं अथवा अपनी करेंसी के रूप में अपने कोषाध्यक्ष को भेजें । वो अपना वार्षिक योगदान $ AUD के रूप में AWPs कोषाध्यक्ष टोपसी इवान्स, पो.बाक्स नं. 181 ग्लेन ओसमंड को भेजेंगे । अपने अन्य मित्रों के सहयाग से इक्ट्ठी की गई एक मुश्त राशि और अधिक उपयोगी होगी। (बैंक चार्जेस को कम करने के लिये) यदि आप इंटरनेट के माध्यम से धनाराशि भेजना चाहते है (Internet Money Transfer) तो कृपया सम्पर्क करें – टाप्सी इवान्स से, बैंक डिटेल्स हेतु, Tevans@c130.aone.net.au

कृपया AWPs को स्मरण रखें . धन्यवाद !